गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 197
दि. 18.11.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

जनता दर्शन : आये हुए अर्धसैनिक बलों के जवानों से सीएम बोले 'आप ड्यूटी कीजिए, परिवार की जिम्मेदारी हमारी'

● जनता दर्शन : अर्धसैनिक बलों के जवान भी पहुंचे, सीएम योगी बोले- आप ड्यूटी कीजिए, परिवार की जिम्मेदारी हमारी

लखनऊ, (जीएनएस)। 'जनता दर्शन' में सीएम योगी ने आर्थिक तंगी से जूझ रही महिला के सात माह के बीमार बच्चे का तुरंत इलाज शुरू करवाया। अर्धसैनिक बल के जवान की जमीन कब्जे की शिकायत पर भरोसा दिलाया कि परिवार की जिम्मेदारी सरकार की है। कार्यक्रम में आए 60 से अधिक फरियादियों की समस्याएं सुनकर समाधान के निर्देश दिए।

सुबह एक मां के जीवन में उम्मीद की किरण लेकर आया। जब वह सोमवार को 'जनता दर्शन' में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलीं। उन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति का जिक्र करते हुए सात माह के मासूम

की बीमारी के इलाज के लिए आर्थिक सहयोग का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने महिला की बात सुनी और तत्काल उन्हें एंबुलेंस से केजीएमयू भिजवाया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हृदय संबंधी बीमारी से जूझ रहे बच्चे का इलाज शुरू हो गया। वहीं 'जनता दर्शन' में प्रदेश भर से 60 से अधिक फरियादी आए, मुख्यमंत्री ने सभी के पास पहुंचकर उनकी शिकायतें सुनीं और अधिकारियों को समय से निराकरण का निर्देश दिया।

महिला बेटे के इलाज की फरियाद लेकर पहुंचीं

लखनऊ के राजेंद्र नगर, ऐशबाग की रहने वाली एक महिला सोमवार सुबह मुख्यमंत्री आवास में लगाए गए 'जनता दर्शन' में पहुंचीं। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बताया कि उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। वे किराए के मकान में रहकर अत्यंत सीमित संसाधन में जीवनयापन कर रही हैं। उनके सात माह के मासूम को हृदय से संबंधित बीमारी है। उसके इलाज के लिए आर्थिक सहायता कर दी जाए।

मुख्यमंत्री ने उस बच्चे को दुलारा-पुचकारा और महिला को आश्वस्त किया कि आप बेफिक्र रहिए, सरकार मदद करेगी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने उस बच्चे को तत्काल एंबुलेंस से केजीएमयू भिजवाया और वहां कुलपति को निर्देशित किया कि बच्चे के उपचार की तत्काल व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री के आदेश के उपरांत वहां मासूम का इलाज प्रारंभ हो गया है।

बुलंदशहर निवासी अर्धसैनिक बलों के जवान भी पहुंचे - फोटो : विभाग

आपके परिवार की जिम्मेदारी सरकार पर

'जनता दर्शन' में बुलंदशहर निवासी अर्धसैनिक बलों के जवान भी पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपनी जमीन के कब्जे संबंधी शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने उनसे प्रार्थना पत्र लिया और कहा कि आपकी ड्यूटी देश की सीमा या देश की आंतरिक सुरक्षा में लगी होगी, आप ड्यूटी निभाइए। आपके परिवार की जिम्मेदारी सरकार पर है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस मामले की जांच कराने और जल्द समाधान का निर्देश दिया।

'जनता दर्शन' में आए 60 से अधिक फरियादी

'जनता दर्शन' में सोमवार को प्रदेश भर के 60 से अधिक फरियादी पहुंचे। मुख्यमंत्री स्वयं सभी के पास पहुंचे। एक-एक करके सभी का प्रार्थना पत्र लिया और समस्याएं सुनीं, फिर संबंधित अधिकारियों को निराकरण के आदेश दिए।

इस दौरान जमीन कब्जा, आर्थिक सहयोग, पुलिस, बिजली समेत अनेक विभागों से जुड़ी समस्याओं को लेकर लोग पहुंचे थे। सीएम ने फरियादियों को आश्वस्त किया कि आपकी सुरक्षा और सेवा सरकार का कर्तव्य है। सरकार पहले दिन से ही इस इस ध्येय के साथ कार्य कर रही है।

बीबीडी यूनिवर्सिटी में स्केल और स्किल का बेहतरीन समन्वय : सीएम योगी

● दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संबोधन, मेधावियों को दिए पदक और डिग्रियां

लखनऊ। बीबीडी यूनिवर्सिटी में सोमवार को आयोजित दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रहे। समारोह में उन्होंने मेधावी छात्रों को पदक और डिग्रियां प्रदान कीं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, चांसलर अलका दास गुप्ता और प्रो चांसलर विराज सागर दास भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब एक घंटे से अधिक समय तक छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता का मार्ग समस्याओं को गिनाने में नहीं बल्कि उनके समाधान खोजने में है। उन्होंने विश्वविद्यालय में खेल और एकेडमिक गतिविधियों के उत्कृष्ट समन्वय की सराहना करते हुए कहा कि बीबीडी यूनिवर्सिटी में स्केल और स्किल का बेहतरीन मेल दिखाई देता है।

सीएम योगी ने कहा कि भारत आज दुनिया का सबसे युवा राष्ट्र है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने हर क्षेत्र में लंबी छलांग लगाई है। उन्होंने कहा कि आज खेल, रोबोटिक्स, एआई और इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बन चुकी हैं और बीबीडी यूनिवर्सिटी इन दिशाओं में अच्छा कार्य कर रही है।

Shri Yogi Adityanath Ji, Hon'ble Chief Minister-UP., Smt. Alka Das Ji, Shri Viraj Sagar Das J

Shri Yogi Adityanath Ji, Hon'ble Chief Minister-UP., Smt. Alka Das Ji, Shri Viraj Sagar Das J

उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी रोजगार कम नहीं करती बल्कि नए अवसर पैदा करती है। इसलिए संस्थानों को चाहिए कि वे एआई, ड्रोन, रोबोटिक्स और आईओटी जैसे क्षेत्रों में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और शॉर्ट-टर्म कोर्सेज प्रारंभ करें।

मुख्यमंत्री ने बाबू बनारसी दास और पूर्व केंद्रीय मंत्री अखिलेश दास गुप्ता के योगदान को नमन करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के विकास में इन विभूतियों की सोच आज मूर्त रूप ले रही है।

स्वतंत्र देव सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में योग्यता के आधार पर आठ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी, जिससे पारदर्शिता और मेरिट की नई मिसाल स्थापित हुई है।

प्रो चांसलर विराज सागर दास ने कहा कि योगी आदित्यनाथ युवाओं के मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत हैं। उनके नेतृत्व में प्रदेश आज निवेश, सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है। उन्होंने बीबीडी कैम्पस में हो रहे एडवांस कोर्स, इंडस्ट्री-इनोवेशन मॉडल, और 30 हजार छात्रों के नेटवर्क का भी उल्लेख किया।

सोलहवें वित्त आयोग ने भारत के राष्ट्रपति को 2026-27 से 2030-31 तक की अनुशंसा अवधि के लिए अपनी रिपोर्ट सौंपी

(जीएनएस)।

सोलहवें वित्त आयोग का गठन भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 280 के खंड (1) के अनुसरण में किया गया था। डॉ. अरविंद पनगढ़िया की अध्यक्षता वाले इस आयोग ने आज (17 नवंबर 2025) भारत के माननीय राष्ट्रपति को अपनी रिपोर्ट सौंपी। आयोग के सदस्य श्रीमती ऐनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. मनोज पांडा, श्री टी. रबी शंकर और डॉ. सौम्या कांति घोष तथा आयोग के सचिव श्री ऋत्विक पाण्डेय भी अध्यक्ष के साथ उपस्थित थे। इसके बाद आयोग ने आज माननीय प्रधानमंत्री और माननीय वित्त मंत्री को भी इसकी एक प्रति सौंपी।

विचारार्थ विषयों (टीओआर) के अनुसार, आयोग को 01 अप्रैल, 2026 से शुरू होने वाली पांच वर्षों की अवधि को शामिल करते हुए अपनी रिपोर्ट देने के लिए अधिदेश दिया गया था, जिसमें संघ और राज्यों के बीच करों की शुद्ध प्राप्तियों के वितरण के साथ-साथ राज्यों के बीच ऐसी प्राप्तियों के संबंधित हिस्सों के आबंटन, राज्यों को सहायता अनुदान, आपदा प्रबंधन पहलों के वित्तपोषण की व्यवस्था की समीक्षा आदि पर सिफारिशें की गई थीं।

तदनुसार, अपने कार्यकाल के दौरान, आयोग ने संघ और राज्यों के वित्त का विस्तार से विश्लेषण किया और संघ, राज्य सरकारों, विभिन्न स्तरों पर स्थानीय सरकारों, पिछले वित्त आयोगों के अध्यक्षों और सदस्यों, प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों, बहुपक्षीय संस्थानों, आयोग की सलाहकार परिषद और अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद रिपोर्ट तैयार की है। यह रिपोर्ट दो खंडों में तैयार की गई है जिसमें खंड-क में विचारार्थ विषयों के अनुसार सिफारिशें शामिल हैं और खंड-II में अनुलग्नक दिए गए हैं।

सचिव ने मध्य क्षेत्र के अग्रिम स्थलों का दौरा किया

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने 15 से 17 नवंबर, 2025 तक मध्य क्षेत्र के अग्रिम स्थानों का व्यापक दौरा किया है। रक्षा सचिव को पिथौरागढ़ में उत्तर भारत क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग तथा 119 (आई) इन्फैंट्री ब्रिगेड ग्रुप के कमांडर द्वारा प्रमुख परिचालन मुद्दों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। रक्षा सचिव ने नवीडांग की यात्रा के दौरान संबंधित बटालियन कमांडरों और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की परियोजना हीरक के मुख्य अभियंता के साथ विस्तृत बातचीत की। अधिकारियों ने उन्हें रणनीतिक गतिशीलता बढ़ाने और राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संचालित महत्वपूर्ण सीमावर्ती बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की प्रगति एवं परिचालन पक्षों से अवगत कराया।

भारत-ब्रिटेन संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास 'अजेय वारियर-25' राजस्थान में शुरू

भारत-ब्रिटेन संयुक्त सैन्य अभ्यास "अजेय वारियर-25" का आठवाँ संस्करण आज राजस्थान स्थित फॉरेन ट्रेनिंग नोड, महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में शुरू हुआ। यह 14 - दिवसीय द्विपक्षीय अभ्यास 17 से 30 नवंबर 2025 तक आयोजित किया जा रहा है।

इस अभ्यास में 240 सैन्यकर्मी भाग ले रहे हैं, जिसमें भारतीय सेना और ब्रिटिश सेना -दोनों का समान प्रतिनिधित्व है। भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व सिख रेजिमेंट के जवान कर रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र के मैंडेट के तहत आयोजित इस अभ्यास का फोकस अर्ध-शहरी क्षेत्रों में आतंकवाद-रोधी अभियानों पर है। आगामी दो सप्ताह के प्रशिक्षण में ब्रिगेड स्तर पर संयुक्त मिशन योजना, समेकित सामरिक अभ्यास, सिमुलेशन-आधारित परिदृश्य तथा वास्तविक आतंकवाद-रोधी आकस्मिकताओं की प्रतिकृति प्रस्तुत करने वाले कंपनी-स्तर के फील्ड प्रशिक्षण अभ्यास शामिल हैं। इस अभ्यास का लक्ष्य सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान, सामरिक दक्षता में वृद्धि तथा चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में जटिल अभियानों के प्रबंधन के लिए समन्वित प्रतिक्रिया विकसित करना है।

तकनीकी समाधान विकसित करने हेतु समझौता ज्ञापन

गति शक्ति विश्वविद्यालय और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए स्मार्ट तकनीकी समाधान विकसित करने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

समझौता ज्ञापन से लॉजिस्टिक्स, चिप डिजाइन और उन्नत एन्क्रिप्शन प्रौद्योगिकियों में संयुक्त अनुसंधान का मार्ग प्रशस्त होगा

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए स्मार्ट तकनीकी समाधान विकसित करने हेतु गति शक्ति विश्वविद्यालय और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने समझौता किया है। डीआरडीओ अध्यक्ष और रक्षा अनुसंधान एवं विकास सचिव डॉ. समीर वी. कामत की उपस्थिति में गति शक्ति विश्वविद्यालय -जीएसवी - और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन -डीआरडीओ ने 17 नवंबर, 2025 को नई दिल्ली में इस आशय के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। डॉ. कामत ने इस अवसर पर कहा कि यह सहयोग स्वदेशी रक्षा प्रणालियों की तैनाती में तकनीकी समाधान विकासित करने में उपयोगी होगा।

इस समझौता ज्ञापन से लॉजिस्टिक्स प्रबंधन, सामरिक, परिचालन और रणनीतिक स्तर पर परिचालन, लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में अवधारणाओं के विश्लेषण और परिचालन लॉजिस्टिक्स योजना के सत्यापन, चिप डिजाइन और हार्डवेयर सुरक्षा और होमोमोर्फिक / ब्लॉक चेन आधारित एन्क्रिप्शन के लिए सहयोगात्मक अध्ययन और अनुसंधान एवं विकास में सहायक होगा।

इस समझौता ज्ञापन का मुख्य ध्यान परिचालन एवं सैन्य विज्ञान क्षेत्र, परिचालन संबंधी प्रबंधन और तकनीकी अनुसंधान में शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों की क्षमता निर्माण पर होगा। इसके लिए दोनों संगठन अनुसंधान, संयुक्त संगोष्ठियां/सम्मेलन, क्षमता निर्माण और गोलमेज कार्यशालाएं आयोजित करेंगे। जीएसवी के कुलपति प्रो. मनोज चौधरी और डीआरडीओ के विशिष्ट वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी प्रबंधन महानिदेशक डॉ. लाल चंद मंगल ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किये।

विश्वविद्यालय का पहले से ही तीनों रक्षा बलों, भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना, के साथ परिचालन और आपूर्ति श्रृंखला अनुसंधान एवं शिक्षा के लिए मजबूत सहयोग है। डीआरडीओ के साथ मौजूदा समझौता ज्ञापन, जीएसवी का अत्याधुनिक अनुसंधान द्वारा इस क्षेत्र में सांगठनिक सक्षमता बढ़ाएगा।

बेंगलुरु में सीएसआईआर-इसरो स्पेस सम्मेलन 2025 का आयोजन

● मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम के लिए भारत की तैयारियों को मजबूत करने हेतु बेंगलुरु में सीएसआईआर-इसरो स्पेस सम्मेलन 2025 आयोजित किया गया

● भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री विंग कमांडर राकेश शर्मा (सेवानिवृत्त) और ग्रुप कैप्टन प्रशांत बी. नायर (इसरो अंतरिक्ष यात्री एवं गगनयात्री) ने कार्यक्रम में अपने महत्वपूर्ण अनुभव और विचार साझा किए

(जीएनएस)।

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने संयुक्त रूप से बेंगलुरु में सीएआईआरझइसरो स्पेस सम्मेलन 2025 का आयोजन किया। इसका उद्देश्य भारत के मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन के लिए बहुविषयक अनुसंधान, तकनीकी विकास और संस्थागत सहयोग को एकसाथ लाना था। यह कार्यक्रम सीएसआईआरझ नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेटरीज (सीएसआईआरझएनएएल) द्वारा आयोजित किया गया।

सीएसआईआर की महानिदेशक एवं डीएसआईआर सचिव डॉ. एन. कलाईसेल्वी ने स्वागत भाषण में सीएसआईआर के वैज्ञानिक एवं तकनीकी योगदानों को रेखांकित किया और कहा कि यह सम्मेलन वैज्ञानिकों, शोधकताओं, अंतरिक्ष यात्रियों और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के बीच ज्ञान-साझाकरण के माध्यम से महत्वपूर्ण सीख प्रदान करेगा। उन्होंने स्वदेशी नवाचार और सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला और राष्ट्रीय वैज्ञानिक एवं तकनीकी लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के मार्गदर्शन की सराहना की।

अंतरिक्ष विभाग (डीओएस) के सचिव एवं इसरो के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने रणनीतिक संबोधन में कहा कि गगनयान कार्यक्रम के लिए विभिन्न मंत्रालयों, अनुसंधान संस्थानों, अकादमिक संस्थाओं और साझेदार संगठनों के सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने सीएसआईआर और भारत के राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास पारिस्थितिकी तंत्र के योगदान को सराहा और भविष्य के चंद्रमा मिशन, मंगल अन्वेषण और एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना सहित भारत के दीर्घकालिक योजनाओं को भी रेखांकित किया।

सीएसआईआर-एनएएल के निदेशक डॉ. अभय ए. पाशिलकर ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए एयरोस्पेस एवं मानव अंतरिक्ष उड़ान के लिए आवश्यक तकनीकों व परीक्षण क्षमताओं को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

ईएसए अंतरिक्ष यात्री (नासा एसटीएस-66, एसटीएस-84, एसटीएस-103) श्री जीन-फ्रैंकोइस क्लेरवॉय का विशेष वीडियो संदेश भी प्रसारित किया गया, जिसमें मानव अंतरिक्ष उड़ान में वैश्विक सहयोग एवं साझा वैज्ञानिक सीख की आवश्यकता पर बल दिया गया।

गरवी गुजरात
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2002

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
गरवी गुजरात हिंदी चेनल देखिये

सम्पादकीय

नीतीश की जनकल्याण योजनाएं का फल

बिहार विधानसभा चुनाव के परिणामों ने यह तो साबित कर ही दिया है कि 20 साल शासन के बाद भी नीतीश वुमार की विश्वसनीयता अभी भी बनी हुई है। आज भी नीतीश बिहार के सबसे कद्दावर नेता हैं। विधानसभा चुनाव प्राचार के दौरान नीतीश वुमार की सेहत और सव्रियता पर सवाल छाए रहे। मीडिया से उनकी दूरी वुछ मंचों से उनके दिए बयान और हाव-भाव पर लोग सवाल उठा रहे थे। प्राधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मंच पर उनकी अनुपस्थिति और रोड शो में बराबर न खड़ा होना विवाद का विषय बना हुआ था। बिहार के नेता प्रातिपक्ष तेजस्वी यादव नीतीश को अचेत मुख्यमंत्री कहते थे। लेकिन इन सबके बावजूद बिहार की जनता कहती रही कि नीतीश वुमार की पाटा इस बार 2020 की तुलना में बढ़िया प्रादर्शन करेगी। जेडीयू ने अप्रात्याशित जीत दर्ज की। पाटा कार्यालय से लेकर मुख्यमंत्री आवास तक पोस्टर लगे ..टाइगर अभी जिदा है। जेडीयू के कार्यर्कारी अध्यक्ष संजय झा पहले से ही कई इंटरव्यू में यह कह चुके थे कि नीतीश वुमार को जब-जब कम आंका जाता है। तब-तब वह अपने प्रादर्शन से लोगों को चौंकाते रहे हैं। इस बार बिहार में 67.13 प्रातिशत मतदान हुआ जो पिछले विधानसभा चुनाव से 9.6 प्रातिशत ज्यादा है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं का मतदान 8.15 प्रातिशत ज्यादा रहा है। आमतौर पर यह माना गया था कि नीतीश वुमार को इस बार महिलाओं का भारी समर्थन मिल रहा है और ये चुनाव के परिणामों में भी नजर आया। मुमकिन है कि महागठबंधन को भी इसका आभास था, इसलिए पहले चरण के मतदान से महज पंद्रह दिन पहले तेजस्वी यादव ने जीविका दीदियों के लिए स्थायी नौकरी, तीस हजार के वेतन, कर्ज माफी, दो सालों तक ब्याज मुक्त व्रेडिट, दो हजार का अतिरिक्त भत्ता और 5 लाख तक का बीमा कवरेज देने का लंबा-चौड़ा वादा किया। इसके बावजूद नतीजे उनके पक्ष में नहीं आए। महागठबंधन चुनाव से लगभग एक महीने पहले नीतीश सरकार की तरफ से जीविका दीदियों के खाते में 10-10 हजार वैश बेनेफिट ट्रांसफर करने को वोट खरीदने से जोड़ती हो पर परिणाम बताते हैं कि इनका सीधा फायदा एनडीए को हुआ। ऐसा नहीं कि अपने लंबे कार्यर्काल में नीतीश ने जनकल्याण योजनाएं नहीं चलाईं। साल 2007 में ही नीतीश ने इस योजना की शुरूआत कर दी थी। नीतीश वुमार ने अपने पहले कार्यर्काल में ही स्वूल जाने वाली लड़कियों के लिए साइकिल, पोशाक और मैट्रिक की परीक्षा पहली डिवीजन से पास करने वाली छात्राओं को दस हजार रुपए की राशि दी। बाद में 12वीं की परीक्षा फर्स्ट डिवीजन से पास करने पर 25000 रुपए और ग्रोजुएशन में 50,000 रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाने लगी। अपने पहले कार्यर्काल में नीतीश ने महिलाओं को पंचायत चुनाव में 50 प्रातिशत आरक्षण दिया। पुलिस भता में महिलाओं को 35 प्रातिशत आरक्षण की सुविधा दी और इस बार के चुनाव में भी वादा किया कि अगर उनकी सरकार बनी तो राज्य सरकार की नौकरियों में भी महिलाओं को 35 प्रातिशत आरक्षण दिया जाएगा। नीतीश वुमार को इस बार अति पिछड़ा वर्ग का भी भरपूर समर्थन मिला है। प्राभुत्व वाली नीतियों के खिलाफ ईंबीसीवी जातियां एकजुट नजर आईं और उन्होंने एनडीए को वोट दिया। नीतीश वुमार जिस सामाजिक वर्ग से आते हैं, वह बिहार की आबादी का सिर्प 2.91 प्रातिशत है। इसके बावजूद वह इतने बने गठबंधन के नेता बने। आमतौर पर माना जा रहा है कि तेजस्वी के लिए अब भी पिता लालू प्रासाद यादव के कार्यर्काल की जंगलराज वाली छवि को भेदना मुश्किल हो गया था और चुनाव में यह एक मुद्दा जरूर बना। दूसरी तरफ नीतीश वुमार सुशासन बाबू की अपनी छवि को अब भी बनाए हुए हैं। 20 साल सत्ता में रहने के बावजूद नीतीश वुमार की साफ-सुथरी छवि है, उन पर आज तक भ्रष्टाचार का कोई दाग नहीं लगा। पर आलोचक यह भी कहते हैं कि नीतीश के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार होते हुए भी बिहार देश के सबसे गरीब राज्यों में है। पलायन आज भी एक बहुत बड़ी वास्तविकता है। नीतीश ने इन मुद्दों को गंभीरता से अड्रैस नहीं किया और इन पर काम करना अब एनडीए की सरकार के लिए एक चुनौती है। एक विश्लेषक का मानना है कि नीतीश वुमार को सहानुभूति वोट भी मिलें क्योंकि वुछ लोगों का मानना था कि यह इलेक्शन नीतीश वुमार का पेयरवेल इलेक्शन था और बिहार के वोटरों ने वोट के जरिए अपने नेता को एक अच्छा पेयरवेल दिया है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में अहमदाबाद के घाटलोडिया विधानसभा क्षेत्र में 'सरदार@150 यूनिटी मार्च' आयोजित

- मुख्यमंत्री ने यूनिटी मार्च-पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया
- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री जगदीश विश्वकर्मा, प्रभारी मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल और राज्य मंत्री श्रीमती दर्शनाबेन वाघेला सहित कई गणमान्य लोगों की विशेष उपस्थिति
- स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की सामूहिक शपथ ली गई

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- सरदार साहब की 150वीं जयंती पर 'एकता मंत्र' को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विधानसभा क्षेत्रवार यूनिटी मार्च का आयोजन
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त कर भारत को एक और अखंड बनाया

गांधीनगर, 17 नवंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने भारत की एकता और अखंडता के प्रतीक और आधुनिक भारत के शिल्पकार सरदार वल्लभभाई पटेल के 150वें जयंती समारोह के अंतर्गत घाटलोडिया विधानसभा क्षेत्र की 'सरदार@150 यूनिटी मार्च' पदयात्रा को सोमवार को अहमदाबाद के आंबली इलाके से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से देश भर में मनाई जा रही सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जन-जन में राष्ट्रीय एकता का भाव उजागर करने के लिए यूनिटी मार्च आयोजित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने 9 नवंबर को जूनागढ़ से इस राज्यव्यापी यूनिटी मार्च का शुभारंभ करने के बाद, विधानसभा क्षेत्रवार इस मार्च के आयोजन के तहत सोमवार सुबह अपने घाटलोडिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में यूनिटी मार्च को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर कहा कि आजादी के बाद सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश के पहले उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के रूप में 562 रियासतों का एकीकरण कर एक और अखंड भारत का निर्माण किया था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एकता के उसी मंत्र को 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' से साकार किया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और हमारे गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाकर कटक से कच्छ और कश्मीर से कन्याकुमार तक एक भारत बनाया है।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ने दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के निर्माण के जरिए सरदार पटेल को सच्चे अर्थ में श्रद्धांजलि दी है। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की यह प्रतिमा भारत के सामर्थ्य और गौरवशाली इतिहास का श्रेष्ठ प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने यह स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश में विकास की राजनीति स्थापित की है, उनके नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' मंत्र के माध्यम से भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री उपस्थित सभी लोगों से आ'ान करते हुए कहा कि हम सभी सरदार साहब को याद करके और स्वदेशी को जीवन का एक हिस्सा बनाकर विकसित भारत का निर्माण करें। उन्होंने कहा कि हम सभी एक और नेक बनकर 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प को साकार करने के लिए कटिबद्ध बनें।

इस यूनिटी मार्च में शामिल सभी लोगों ने स्वदेशी को अपनाने और आत्मनिर्भर भारत के लिए योगदान देने की सामूहिक शपथ ली।

अहमदाबाद की महापौर श्रीमती प्रतिभा जैन ने स्वागत भाषण में कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आयोजित यूनिटी मार्च सरदार पटेल को सच्चे अर्थ में श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री जगदीश विश्वकर्मा, प्रभारी मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल, राज्य मंत्री श्रीमती दर्शनाबेन वाघेला, सांसद श्री दिनेशभाई मकवाणा और श्री नरहरिभाई अमीन, महानगर प्रभारी श्री रजनीभाई पटेल, शहर के विधायक, शहर भाजपा अध्यक्ष श्री प्रेरकभाई शाह, बाल संरक्षण आयोग की चेयरमैन श्रीमती धर्मिष्ठाबेन गज्जर, मनपा आयुक्त श्री बंछानिधि पाणि, शहर पुलिस आयुक्त श्री जी.एस. मलिक, जिला कलेक्टर श्री सुजीत कुमार, जिला विकास अधिकारी श्री विदेह खरे, कई साधु-संत, पूर्व राज परिवारों के सदस्य, पार्षदगण, पार्टी के पदाधिकारी, युवाओं और विद्यार्थियों सहित बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

भारत पर्व-2025, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, एकता नगर : तेलंगाना की चेरियाल पेंटिंग ने मोहा आगंतुकों का मन

- तेलंगाना की चेरियाल चित्रकार वंशिथा भारत पर्व मंच के जरिए देश की समृद्ध कला विरासत को उजागर कर रही हैं
- 24 वर्षीय वंशिथा चेरियाल पेंटिंग के माध्यम से दशार्ती हैं पौराणिक कथाएं
- तेलंगाना की चेरियाल पेंटिंग को मिला है जीआई टैग, कलाकार प्राकृतिक रंगों का उपयोग कर हिंदू पौराणिक कथाओं का करते हैं वर्णन

गांधीनगर, 17 नवंबर : सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर एकता नगर में दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' परिसर में भारत सरकार और गुजरात सरकार के संयुक्त तत्वावधान में 'भारत पर्व-2025' का भव्य आयोजन किया गया है। भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति, कला और हस्तकला को प्रदर्शित करने वाला यह जीवंत उत्सव अनेकता में एकता की झलक प्रस्तुत करता है। भारत पर्व में विभिन्न राज्यों की ओर से अपनी विशिष्ट विरासत का प्रदर्शन देखने को मिल रहा है, जिनमें तेलंगाना की अनोखी चेरियाल पेंटिंग को दशार्ने वाला स्टॉल अपने रंगों, कहानियों और इतिहास के लिए सबसे अलग नजर आ रहा है।

24 वर्षीय कलाकार की चेरियाल पेंटिंग तेलंगाना की सांस्कृतिक विरासत को उजागर कर रही है

तेलंगाना की 24 वर्षीय चेरियाल कलाकार सी.एच. वंशिथा और उनकी माता अपने राज्य की संस्कृति की सदियों पुरानी कहानियों को चेरियाल पेंटिंग के माध्यम से प्रस्तुत करने और इस कला को संरक्षित करने के मिशन पर है। वे एकता नगर में भारत पर्व के माध्यम से इस मिशन को आगे बढ़ा रही हैं। उल्लेखनीय है कि चेरियाल कला तेलंगाना के चेरियाल गांव की एक पारंपरिक स्क्रॉल पेंटिंग शैली है। यह दृश्य कला के माध्यम से कहानी कहने की एक कला है। इसमें चित्रों का उपयोग पारंपरिक कहानी कहने के लिए किया जाता है। ये पेंटिंग हिंदू पौराणिक कथाओं, लोककथाओं और ग्रामीण जीवन के दृश्यों को दशार्ती है। इस कला में जीवंत और जटिल कथात्मक चित्रों को खादी के कपड़े पर उकेरा जाता है। इसमें इमली के बीज के पेस्ट, चावल के स्टार्च और चाक पावडर के मिश्रण का उपयोग होता है, जो पेंटिंग के लिए एक मजबूत आधार तैयार करता है।

मंत्रमुग्ध करने वाली तेलंगाना की चेरियाल स्क्रॉल पेंटिंग को मिला है जीआई टैग

तेलंगाना की चेरियाल पेंटिंग सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का एक सुंदर माध्यम है, जिसके रंग देखने वालों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। इस कला को अपनी सांस्कृतिक धरोहर के लिए भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग मिला है। चेरियाल पेंटिंग की विशेषता इसके प्राकृतिक रंग हैं। कलाकार पेंटिंग बनाने के लिए खनिज, फूल और समुद्री सीपियों आदि से प्राप्त रंगों का उपयोग करते हैं और उन्हें हस्तनिर्मित ब्रश के जरिए कपड़े पर उकेरते हैं। इस पेंटिंग में रामायण, महाभारत और स्थानीय लोक कथाओं जैसे भारतीय महाकाव्यों के दृश्यों को अद्भुत तरीके से चित्रित किया जाता है। प्रत्येक चित्र एक जीवंत दृश्य कहानी की तरह प्रकट होता है, जो ग्रामीण तेलंगाना की समृद्ध परंपराओं और जीवन शैली का वर्णन करता है।

पृष्ठभूमि में चटक लाल रंग, चेहरे की अभिव्यक्ति और बोल्ड आउटलाइन चेरियाल पेंटिंग की पहचान हैं। पारंपरिक रूप से, लोक गायकों और कलाकारों द्वारा इन चित्रों का उपयोग अपनी कहानियां सुनाने के लिए किया जाता है, लेकिन आज इस हस्तकला का विस्तार वॉल हैंगिंग्स (फोटोफ्रेम या पोस्टर्स), मास्क और सजावटी कलाकृतियों की वस्तुओं तक हो गया है। इस हस्तकला को नक्काशी कलाकारों (चेरियाल चित्रकारों) की पीढ़ियां आगे बढ़ा रही हैं, जो सदियों पुरानी तकनीकों को संरक्षित रखते हुए उसमें नवाचार कर रहे हैं।

भारत पर्व में बड़ी संख्या में आगंतुकों ने चेरियाल पेंटिंग को बड़ी उत्सुकता के साथ देखा और पौराणिक कथाओं को दशार्ने वाले चित्रों का वर्णन भी सुना। पहली बार भारत पर्व जैसे कार्यक्रम में शामिल होने वाली और बी.टेक. की डिग्री हासिल कर चुकी सी.एच. वंशिथा ने कहा, 'मैं बचपन से इस कला के साथ पली-बढ़ी हूं। मेरी माता पिछले 15 वर्षों से इस कला के प्रति समर्पित हैं और मैं गत चार वर्षों से इस कला से जुड़ी हुई हूं। हमारे द्वारा बनाए गए हरेक चित्र में हमारे देवताओं और पूर्वजों की कथाएं हैं। हमारा लक्ष्य इस कला के माध्यम से दुनिया को यह बताना है कि हमारी विरासत कितनी समृद्ध है।'

भारत पर्व : परंपरा, संदेश और रचनात्मकता का अनोखा समन्वय

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर में आयोजित भारत पर्व-2025 देश भर के कलाकारों और कारीगरों के लिए उनकी क्षेत्रीय परंपरा और धरोहर को प्रस्तुत करने का एक सशक्त मंच है। इस मंच के माध्यम से तेलंगाना की 24 वर्षीय युवती ने अपनी हस्तकला के जरिए भारत की 'विविधता में एकता' की भावना को प्रतिबिंबित किया है। डिजिटल आर्ट और मॉडर्न स्टोरीटेलिंग (कहानी कहने की कला) के इस युग में वंशिथा चेरियाल पेंटिंग जैसी कला की विरासत को आगे बढ़ा रही हैं।

कौन है ये हसीना, जिसने ₹6200 करोड़ किए दान? कमाई सुनकर उड़ जाएंगे होश! फिलहाल हैं सिंगल

मैकेंजी स्कॉट ने उच्च शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने की वकालत करते हुए, ऐतिहासिक रूप से अश्वेत लोगों के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को $700 मिलियन का दान दे रही हैं। उनका यह सराहनीय दान अभियान लगातार जारी है, जिससे परोपकार की नई परिभाषाएं गढ़ी जा रही हैं।

15 HBCUs को सितंबर के बाद से मिला विशाल समर्थन, स्कॉट ने सितंबर के अंत से कम से कम 15 ऐतिहासिक रूप से अश्वेत कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को $700 मिलियन दिए हैं। इसके अलावा, उन्होंने उन गैर-लाभकारी संगठनों को भी दान दिया है जो रंगीन छात्रों के लिए उच्च शिक्षा तक पहुंच और सामर्थ्य बढ़ाने का समर्थन करते हैं। 'सेंट मैकेंजी स्कॉट', माइकल लोमैक्स, यूनाइटेड नेग्रो कॉलेज फंड के अध्यक्ष और सीईओ, ने स्कॉट को 'सेंट मैकेंजी स्कॉट' कहकर संबोधित किया है। उन्होंने यह उपाधि स्कॉट के उनके संगठन को बदलाव और बेहतर बनाने के लिए दिए गए' $700 मिलियन के दान के बाद दी।

लोमैक्स ने एबीसी न्यूज के साथ एक साक्षात्कार में बताया कि स्कॉट का दृष्टिकोण न केवल अमेरिका में बल्कि वैश्विक स्तर पर गढ़ा है। तलाक के बाद मिली संपत्ति का बड़ा हिस्सा किया दान, तलाक के समझौते में स्कॉट को लगभग $38 बिलियन मिले थे।

एक लाख से अधिक नागरिकों ने जोड़ा कदम -पूरे भारत में आरसीएम की रूपांतरण यात्रा बनी जनआंदोलन; अब पहुँच रही है सुल्तानपुर

सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेशः आरसीएम की रूपांतरण यात्रा, जिसमें अब तक देश के 20 शहरों में एक लाख से अधिक नागरिक जुड़ चुके हैं, 19 नवम्बर को सुल्तानपुर पहुँचेगी।

16 सितंबर 2025 को राजस्थान के भीलवाड़ा से आरसीएम के 25वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में शुरू हुई यह यात्रा सभी अपेक्षाओं से आगे निकल चुकी है और अब एक जन-आंदोलन का रूप ले चुकी है।

अब तक की यात्रा के उत्साह को देखते हुए उम्मीद है कि सुल्तानपुर में इस यात्रा को और भी ज्यादा जनसमर्थन मिलेगा, जहाँ हर उम्र और वर्ग के नागरिक सक्रिय भागीदारी करेंगे।

इस यात्रा के दौरान आम नागरिक -बच्चे, महिलाएं और परिवार - स्वास्थ्य (र६२३८), सेवा (री६) और संस्कार (रंल्ल२'१) जैसे मुख्य सिद्धांतों को अपनाने का संकल्प ले रहे हैं। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से बचाव और समाज सेवा के महत्व के बारे में सीखा है।

अब तक 2,000 से अधिक लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान भी किया है, जो समाज के प्रति गहरी जिम्मेदारी और अपनत्व की भावना को दशार्ता है। यह संख्या दिसंबर 23, 2025 को यात्रा के समापन तक और बढ़ने की संभावना है।

रूपांतरण यात्रा की सफलता का मूल कारण है आम जनता की सच्ची और स्वप्रेरित भागीदारी। स्वास्थ्य जागरूकता पर केंद्रित इस यात्रा में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, थायरॉइड और उच्च कोलेस्ट्रॉल जैसी जीवनशैली बीमारियों पर व्यावहारिक सत्रों और चिकित्सा शिविरों के माध्यम से जागरूकता फैलाई जा रही है।

यह 100 दिनों की, 17,000 किलोमीटर लंबी राष्ट्रव्यापी यात्रा 75 शहरों का दौरा करेगी और 25 भव्य समारोहों का आयोजन करेगी। यह अभियान आरसीएम के उस दृष्टिकोण को सशक्त करता है कि कंपनी केवल डायरेक्ट सेलिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि एक जन-केंद्रित और मूल्य-आधारित आंदोलन है।

'जब लोग बिना किसी अपेक्षा के सेवा के लिए आगे आते हैं, तो वह एक आयोजन नहीं बल्कि जागरण होता है,' रूपांतरण यात्रा के मार्गदर्शक तिलोकचंद छाबड़ा ने कहा। उन्होंने आगे कहा, 'यह आंदोलन हमें दिखा रहा है कि सच्चा परिवर्तन तभी शुरू होता है जब नागरिक अपने जीवन में स्वास्थ्य, सेवा और संस्कार को अपनाते हैं।'

'रूपांतरण यात्रा आरसीएम के 25 वर्षों की उपलब्धियों का उत्सव है और उन असंख्य सह-खरीदारों के आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्वतंत्रता की भावना को सलाम है,' आरसीएम के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ छाबड़ा ने कहा। 'इस यात्रा के माध्यम से हम नए सदस्यों को एक मूल्य-आधारित, जन-संचालित यात्रा से जुड़ने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं।'

'रूपांतरण यात्रा केवल परिवर्तन की यात्रा नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का आंदोलन है,' मैनेजिंग डायरेक्टर प्रियंका अग्रवाल ने कहा। 'जब महिलाएं शक्ति, दृष्टि और करुणा के साथ आगे बढ़ती हैं, तो वे न केवल अपना भविष्य गढ़ती हैं, बल्कि राष्ट्र की दिशा भी बदल देती हैं।'

'एफएमसीजी और हेल्थ से लेकर फैशन और लाइफस्टाइल तक, आरसीएम के उत्पाद गर्व से मेड इन इंडिया हैं और उच्च गुणवत्ता मानकों पर खरे उतरते हैं,' सीईओ मनोज कुमार ने कहा। 'रूपांतरण यात्रा के माध्यम से, हम करोड़ों लोगों को सशक्त बनाने और एक स्वस्थ, मजबूत भारत के निर्माण में योगदान देने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।'

सुल्तानपुर में रूपांतरण रथ के भव्य स्वागत और कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के आने की उम्मीद है।

यह कार्यक्रम सुबह 7 बजे फ्लट प्राणगीत से शुरू होगा, जो फ्लट के मुख्य उद्देश्यों और सिद्धांतों को प्रस्तुत करेगा, इसके बाद शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए एक योग सत्र होगा। स्वास्थ्य क्रांति के साथ-साथ फ्लट द्वारा उठाए गए विभिन्न स्वास्थ्य संबंधित पहलों का परिचय दिया जाएगा। उपस्थित लोग सेवा गतिविधि में भाग लेंगे और एक डॉक्यूमेंट्री में फ्लट की प्रभावशाली यात्रा को प्रदर्शित किया जाएगा। सभी उपस्थित लोग आदर्श नागरिक शपथ लेंगे, जिसमें वे सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करेंगे। कार्यक्रम का समापन जागरूकता रैली से होगा, जो शहरभर में सेवा, स्वास्थ्य और संस्कार का संदेश फैलाएगी।

हाल ही में प्रकाशित पुस्तक 'मनसा वाचा कर्मणा -एक कर्मयोगी की जीवनी', जो आरसीएम के संस्थापक तिलोकचंद छाबड़ा के जीवन पर आधारित है, कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण होगी। यह पुस्तक उनके जीवन के कर्मयोग और उनके विचारों व कार्यों के करोड़ों लोगों पर पड़े प्रभाव को दशार्ती है।

अब तक जिन 20 शहरों में यात्रा हो चुकी है, उन्हें देखकर कहा जा सकता है कि सुल्तानपुर इस आंदोलन को एक नया आयाम देगा - केवल संख्याओं में नहीं, बल्कि सहभागिता की भावना और गहराई में भी।

आरसीएम कंज्यूमर प्रोडक्ट्स प्रा. लि. के बारे में:

ओमेक्स ने किया टीम-बिल्डिंग रिट्रीट का आयोजन

लखनऊ, 17 नवम्बर 2025: ओमेक्स की ओर से आज ओमेक्स मेट्रो सिटी, रायबरेली रोड पर टीम-बिल्डिंग रिट्रीट का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का लक्ष्य टीम के बीच भरोसा, सहयोग और आपसी समझ को बढ़ाना था। सभी कर्मचारियों ने मिलकर ऐसी गतिविधियों में हिस्सा लिया, जिनसे टीम वर्क और संवाद और बेहतर हुआ।

ओमेक्स के बिजनेस हेड श्री अंजनी कुमार पांडेय ने कहा, "किसी भी कंपनी की असली ताकत उसके लोग होते हैं। जब टीम एकजुट रहती है और सकारात्मक सोच के साथ काम करती है, तभी हम अपने ग्राहकों को अच्छा अनुभव दे पाते हैं। ओमेक्स हमेशा यही कोशिश करता है कि कर्मचारियों को बेहतर माहौल और सीखने के मौके मिलें।'

उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम न सिर्फ. टीम को मजबूत बनाते हैं, बल्कि कंपनी की कामकाज की रफ्तार और ग्राहक सेवा को भी बेहतर करते हैं।

कार्यक्रम के अंत में हाई-टी और स्नैक्स के साथ सभी कर्मचारियों ने अनौपचारिक बातचीत में अपने अनुभव साझा किए।

ओमेक्स का यह कदम टीम भावना को बढ़ाने और ग्राहकों को और बेहतर सेवाएं देने की दिशा में एक अहम पहल है।

पीएनबी ने अपने ग्राहकों से 30.11.2025 तक केवाईसी विवरण अद्यतन करने का किया आग्रह

लखनऊ 17 नवंबर 2025: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए, देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, पंजाब नेशनल बैंक ने अपने ग्राहकों से अपने खातों में "अपने ग्राहक को जानें" (केवाईसी) जानकारी अपडेट करने का आग्रह किया है।

चल रहे (केवाईसी) अनुपालन अभ्यास के तहत, पीएनबी के जिन ग्राहकों के खातों में 30.09.2025 तक केवाईसी अपडेट होना था, उनसे अनुरोध है कि वे अपनी अपडेट की गई केवाईसी जानकारी - जैसे पहचान प्रमाण, पते का प्रमाण, नवीनतम तस्वीर, पैन/फॉर्म 60, आय प्रमाण, मोबाइल नंबर (यदि पहले से पंजीकृत नहीं है), या कोई अन्य आवश्यक केवाईसी दस्तावेज - 30.11.2025 तक या उससे पहले जमा कर दें।

ग्राहक किसी भी पीएनबी शाखा में जाकर या पीएनबी वन, इंटरनेट बैंकिंग सेवाएँ (आईबीएस), व्हाट्सएप, एसएमएस सहित डिजिटल माध्यमों से, या पंजीकृत ईमेल या डाक के माध्यम से अपनी मुख्य शाखा को आवश्यक दस्तावेज भेजकर अपने केवाईसी विवरण अपडेट कर सकते हैं।

कृपया ध्यान दें कि निर्धारित समय सीमा के भीतर केवाईसी अपडेट न करने पर नियामक दिशानिर्देशों के अनुसार खाता संचालन पर प्रतिबंध लग सकता है।

किसी भी सहायता के लिए ग्राहक अपनी नजदीकी पीएनबी शाखा में जा सकते हैं या आधिकारिक वेबसाइट https://www.pnb.bank.in/ देख सकते हैं ।

चेतावनीः कृपया अपना केवाईसी अद्यतन करने के लिए किसी भी असत्यापित स्रोत से प्राप्त किसी भी लिंक/फाइल पर क्लिक/डाउनलोड नही करे

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

दिव्यांगजनों के लिए नई निःशुल्क सहायता सेवा

वडोदरा मंडल ने रेलवे स्टेशनों पर दिव्यांगजनों के लिए एक नई निःशुल्क सहायता सेवा शुरू की है, जिसका उद्देश्य रेल यात्रा को उनके लिए अधिक सहज, सुरक्षित और सुलभ बनाना है।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी श्री अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (उरफ) के तहत आर आर केबल फाउंडेशन के सहयोग से यह महत्वपूर्ण पहल की गई है।

"सुगम्य भारत अभियान" के अंतर्गत वडोदरा मंडल के 66 स्टेशनों पर कुल 172 क्रचेस (86 जोड़ी) प्रदान किए गए हैं। ये क्रचेस रेलवे स्टेशनों पर सहायता की आवश्यकता वाले दिव्यांग यात्रियों को निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे।

यह पहल न केवल दिव्यांगजनों की सुविधा बढ़ाएगी, बल्कि रेलवे की सामाजिक जिम्मेदारी और सहयोगी संस्थाओं के सकारात्मक योगदान को भी दर्शाती है। यह सेवा दिव्यांग यात्रियों के आत्मविश्वास और यात्रा अनुभव को और अधिक बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

अहमदाबाद मंडल के साणंद से पहली रेफ्रिजरेटेड कंटेनर रैक पिपावाव पोर्ट के लिए रवाना

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल के साणंद से दिनांक 17.11.2025 को ट/२ हर्ं ती पेट्रोकेमिकल्स एंड शिपिंग लिमिटेड की पहली रेफ्रिजरेटेड (रीफर) कंटेनर रैक (MHPL) (थार ड्राई पोर्ट) फ्रेट टर्मिनल साणंद से मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह अहम पड़ाव मंडल के कोल्ड-चेन लॉजिस्टिक्स को सुदृढ़ बनाने तथा माल ढुलाई प्रणाली में दक्षता बढ़ाने के प्रति निरंतर प्रयासों का एक महत्वपूर्ण संकेत है।

यह रीफर कंटेनर रैक पिपावाव पोर्ट के लिए प्रस्थान कर रही है, जो क्षेत्र में बहु-मोडल कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी तथा तापमान-संवेदनशील माल की ढुलाई के लिए उद्योगों को एक विश्वसनीय और कुशल विकल्प प्रदान करेगी। यह पहल अहमदाबाद मंडल की बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट (BDU) की बढ़ती क्षमता और उद्योग जगत द्वारा मंडल की माल ढुलाई सेवाओं में जताए जा रहे विश्वास को दर्शाती है। इस रैक में जितने रेफ्रिजरेटेड कंटेनर लोड किए गए हैं, उनका कुल वजन 1061.81 टन है तथा इससे ₹6.57 लाख का राजस्व प्राप्त हुआ है। इन कंटेनरों में M/s हाईफन इंडस्ट्रीज, मैककेन इंडस्ट्रीज तथा बालाजी ग्रुप का नाजुक एवं शीघ्र नष्ट होने वाला माल शामिल है, जिसे समयबद्ध व नियंत्रित तापमान की आवश्यकता होती है।

एमएचपीएल प्राइवेट फ्रेट टर्मिनल से रीफर रैक संचालन की शुरूआत से क्षेत्र के निर्यातकों तथा कोल्ड-स्टोरेज आधारित उद्योगों को एक नई गति मिलेगी। यह अहमदाबाद मंडल की उद्योग विकास को समर्थन देने, माल सेवाओं का विस्तार करने तथा निर्बाध, सुरक्षित और कुशल लॉजिस्टिक्स प्रदान करने की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। यह उपलब्धि भारतीय रेल के अंतर्गत मंडल की सक्रिय पहल, नवाचार और सुदृढ़ फ्रेट इकोसिस्टम निर्माण के उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में उभरती है।

अहमदाबाद मण्डल पर भगवान बिरसा मुंडा जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस का उत्साहपूर्वक आयोजन

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर अहमदाबाद मंडल में जनजातीय गौरव दिवस बड़े हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। इस उपलक्ष्य में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, अहमदाबाद में महान स्वतंत्रता सेनानी एवं जननायक भगवान बिरसा मुंडा जी को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश ने भगवान बिरसा मुंडा जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात उनके जीवन-वृत, संघर्ष तथा स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला गया।

अपने संबोधन में मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश ने कहा कि 'भगवान बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की आयु में वह कार्य कर दिखाया, जो बड़े-बड़े लोग भी नहीं कर पाते। उन्होंने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष कर आदिवासी समाज को एकजुट किया और समाज सुधार एवं राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए विशिष्ट योगदान दिया।' उन्होंने आगे कहा कि बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष, आत्मसम्मान और देशभक्ति का प्रेरणास्रोत है, जो वर्तमान एवं आने वाली पीढ़ियों को निरंतर मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

इस अवसर पर वक्ताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान तथा आदिवासी समाज के उत्थान हेतु किए गए उनके उल्लेखनीय कार्यों पर विस्तृत रूप से चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान बिरसा मुंडा की जीवनी पर आधारित पुस्तिका का वितरण भी किया गया।

कार्यक्रम में मण्डल के रेल अधिकारी, कर्मचारी, विभिन्न एसोसिएशनों एवं ट्रेड यूनियनों के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्मार्ट तकनीकी समाधान विकसित करने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

गति शक्ति विश्वविद्यालय और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए स्मार्ट तकनीकी समाधान विकसित करने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

समझौता ज्ञापन से लॉजिस्टिक्स, चिप डिजाइन और उन्नत एन्क्रिप्शन प्रौद्योगिकियों में संयुक्त अनुसंधान का मार्ग प्रशस्त होगा

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए स्मार्ट तकनीकी समाधान विकसित करने हेतु गति शक्ति विश्वविद्यालय और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने समझौता किया है। डीआरडीओ अध्यक्ष और रक्षा अनुसंधान एवं विकास सचिव डॉ. समीर वी. कामत की उपस्थिति में गति शक्ति विश्वविद्यालय -जीएसवी - और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन - डीआरडीओ ने 17 नवंबर, 2025 को नई दिल्ली में इस आशय के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। डॉ. कामत ने इस अवसर पर कहा कि यह सहयोग स्वदेशी रक्षा प्रणालियों की तैनाती में तकनीकी समाधान विकासित करने में उपयोगी होगा।

इस समझौता ज्ञापन से लॉजिस्टिक्स प्रबंधन, सामरिक, परिचालन और रणनीतिक स्तर पर परिचालन, लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में अवधारणाओं के विश्लेषण और परिचालन लॉजिस्टिक्स योजना के सत्यापन, चिप डिजाइन और हार्डवेयर सुरक्षा और होमोमोर्फिक / ब्लॉक चेन आधारित एन्क्रिप्शन के लिए सहयोगात्मक अध्ययन और अनुसंधान एवं विकास में सहायक होगा।

इस समझौता ज्ञापन का मुख्य ध्यान परिचालन एवं सैन्य विज्ञान क्षेत्र, परिचालन संबंधी प्रबंधन और तकनीकी अनुसंधान में शोधकताओं और वैज्ञानिकों की क्षमता निर्माण पर होगा। इसके लिए दोनों संगठन अनुसंधान, संयुक्त संगोष्ठियां/सम्मेलन, क्षमता निर्माण और गोलमेज कार्यशालाएं आयोजित करेंगे। जीएसवी के कुलपति प्रो. मनोज चौधरी और डीआरडीओ के विशिष्ट वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी प्रबंधन महानिदेशक डॉ. लाल चंद मंगल ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किये।

विश्वविद्यालय का पहले से ही तीनों रक्षा बलों, भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना, के साथ परिचालन और आपूर्ति श्रृंखला अनुसंधान एवं शिक्षा के लिए मजबूत सहयोग है। डीआरडीओ के साथ मौजूदा समझौता ज्ञापन, जीएसवी का अत्याधुनिक अनुसंधान द्वारा इस क्षेत्र में सांगठनिक सक्षमता बढ़ाएगा।

गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) परिवहन एवं परिचालन क्षेत्र में भारत का पहला विश्वविद्यालय है। इसे वर्ष 2022 में संसद के अधिनियम द्वारा केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित किया गया था। भारत सरकार के रेल मंत्रालय के अधीन संचालित यह विश्वविद्यालय रेलवे, राजमार्ग, बंदरगाह, विमानन, समुद्री नौवहन, अंतर्देशीय जलमार्ग, शहरी परिवहन और परिचालन एवं आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क सहित संपूर्ण परिवहन क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करता है। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं।

डॉ. वीरेंद्र प्रताप सिंह यादव ने भरा नामांकन, अधिवक्ताओं के लिए 'आमूल-चूल' परिवर्तन का संकल्प

डॉ. वीरेंद्र प्रताप ने भरा पर्चा, भारी समर्थन के साथ चुनावी बिगुल फूंका

प्रयागराज। बार काउंसिल उत्तर प्रदेश चुनाव 2026 की सरगर्मियों के बीच एक ऐतिहासिक घटनाक्रम सामने आया। हाई कोर्ट लखनऊ के प्रतिष्ठित एडवोकेट डॉ. वीरेंद्र प्रताप सिंह यादव, ने प्रयागराज स्थित बार काउंसिल कार्यालय में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस कदम ने चुनाव की दिशा को स्पष्ट रूप से मोड़ दिया है, क्योंकि उन्हें अधिवक्ताओं और सामाजिक विशिष्टजनों का व्यापक समर्थन मिला है।

नामांकन पत्र दाखिल करने का यह अवसर किसी उत्सव से कम नहीं था। अधिवक्ताओं और समाज के सम्मानित वरिष्ठ जनों की भारी उपस्थिति ने कार्यक्रम को गरिमामय बना दिया। सभी ने डॉ. यादव के नेतृत्व पर पूर्ण विश्वास जताते हुए उन्हें विजय का आशीर्वाद प्रदान किया।

इस मौके पर प्रदेश भर से विशिष्ट हस्तियाँ उपस्थित रहीं, जिनमें प्रमुख रूप से वरिष्ठ अधिवक्ता जे. के. सिन्हा, एस. सी. गुप्ता, रामसागर यादव, अनुपम मिश्रा शामिल थे। लखनऊ से बलराम यादव गोविंद यादव, अनुराग पांडे, तथा विभिन्न जनपदों जैसे बाराबंकी से शैलेन्द्र वर्मा, सीतापुर से जे. डी. आजाद, और अम्बेडकर नगर से महेंद्र कुमार के प्रतिनिधि भी अपनी एकजुटता दिखाने के लिए मौजूद थे। कर्नल राजेंद्र प्रसाद यादव और मेजर एस. पी. शाक्य जैसे गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने डॉ. यादव की व्यापक सामाजिक पहुँच को दर्शाया।

नामांकन के उपरांत अपने संबोधन में, डॉ. यादव ने अधिवक्ताओं की दशा और न्यायिक व्यवस्था में सुधार हेतु कई आमूल-चूल परिवर्तनकारी प्रस्ताव प्रस्तुत किए।

डॉ. यादव ने अपने संदेश को एक प्रेरक छंद के साथ समाप्त किया और दृढ़ता से कहा अब न्यायपालिका में आमूल-चूल परिवर्तन का समय आ चुका है। अधिवक्ताओं के जीवन में नया सवेरा आने वाला है। उन्होंने आश्वस्त किया कि अधिवक्ताओं की गरिमा, अधिकारों और भविष्य की सुरक्षा के लिए वे पूर्ण निष्ठा और पारदर्शिता के साथ कार्य करेंगे, जिससे बार काउंसिल एक आधुनिक और जवाबदेह संस्था बन सके।

इस ऐतिहासिक नामांकन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि डॉ. वीरेंद्र प्रताप सिंह यादव इस चुनाव को केवल लड़ने नहीं बल्कि अधिवक्ताओं के जीवन में आमूल-चूल बदलाव लाने के दृढ़ संकल्प के साथ उतरे हैं।

प्रोगा 2025 के तहत भारत में आरएमजी पर लगे प्रतिबंध को दी गई चुनौती

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट में प्रमोशन एंड रैगुलेशन ऑफ ऑनलाईन गेमिंग एक्ट (प्रोगा) 2025 के तहत भारत में रियल-मनी गेमिंग (आरएमजी) पर लगे प्रतिबंध को चुनौती दी गई है, जिसकी सुनवाई में एक याचिकाकर्ता ने इस प्रतिबंध से उनकी आजीविका पर पड़े वाले गंभीर प्रभाव के बारे में एक बहुत शक्तिशाली तर्क दिया है। याचिकाकर्ता एक प्रोफेशनल ऑनलाईन गेमर है। उसने कोर्ट को बताया कि ऑनलाईन स्किल-बेस्ड गेमिंग उनकी आय का प्राथमिक स्रोत और उनका अपना गेमिंग व्यवसाय शुरू करने का माध्यम था। इन प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाए जाने से न केवल उनकी आर्थिक स्वतंत्रता बाधित हुई है, बल्कि उन लाखों गेमर्स का भविष्य अंधेरे में चला गया है, जो अब असंगठित ऑफशोर प्लेटफॉर्म्स की ओर पलायन कर रहे हैं।

याचिकाकर्ता ने अपने तर्क में बताया कि इस प्रतिबंध से भारत के बढ़ते घरेलू गेमिंग उद्योग और इसके गेमर्स पर क्या प्रभाव पड़ा है। प्रोगा लागू होने के बाद ज्यादातर आरएमजी ऑपरेटर्स ने काम करना बंद कर दिया है, जिससे भारत में वैध घरेलू प्लेटफॉर्म्स की गंभीर कमी उत्पन्न हो गई है। इस स्थिति में खिलाड़ियों के पास बहुत कम विकल्प बचे रह गए हैं और उन्हें गेम्स तथा अपनी रोजी-रोटी जारी रखने के लिए ऑफशोर असंगठित प्लेटफॉर्म्स की ओर पलायन करना पड़ रहा है। ये ऑफशोर प्लेटफॉर्म भारत के वैधानिक और कानूनी दायरे के बाहर काम करते हैं, जिससे यूजर्स को धोखा-धड़ी, लत, बेईमानी का शिकार होने तथा अपने पैसे गँवा देने का अत्यधिक जोखिम है, जिसके लिए उन्हें कोई कानूनी निवारण भी प्राप्त नहीं हो सकेगा।

अन्य याचिकाकताओं ने भी सुप्रीम कोर्ट में तर्क दिया कि गेम्स ऑफ स्किल (कौशल पर आधारित गेम्स) और गेम्स ऑफ चांस (किस्मत पर आधारित गेम्स) के बीच कानूनी अंतर को बनाए रखना बहुत आवश्यक है। उन्होंने इस प्रतिबंध को चुनौती देते हुए कहा कि कौशल पर आधारित गेम्स पर प्रतिबंध संविधान की धारा 19 (1) (जी) का उल्लंघन है, जिसके अंतर्गत नागरिकों को किसी भी पेशे को अपनाने, या कोई भी व्यवसाय, कारोबार या व्यापार करने का अधिकार दिया गया है।

श्री संजय सहाय, सायबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट एवं पूर्व एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, कर्नाटक ने कहा, "सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को प्रोग एक्ट, 2025 की संवैधानिक वैधता पर एक विस्तृत जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। कानूनी रूप से यह तय है कि जब कौशल का किस्मत पर वर्चस्व हो, तो यह जुए से अलग होगा। इस कानूनी चर्चा का मुख्य आधार किस्मत और कौशल में अंतर है। इसलिए कौशल पर आधारित गेम्स को विभिन्न कोर्ट्स और माननीय सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है। हानिकारक व्यक्तिगत परिणामों के आधार पर इन दोनों को समान नहीं माना जा सकता है। जुए के विपरीत कौशल पर आधारित गेम्स के लिए संज्ञानात्मक क्षमता, रणनीति और अभ्यास की जरूरत होती है, जबकि जुआ पूरी तरह से किस्मत पर आधारित होता है। पैसे से गेम की प्रकृति में कोई मूलभूत बदलाव नहीं आता है, जो इस अधिनियम की प्राथमिक चिंता प्रतीत होती है।"

जय पहलवान वीर बाबा कबूतर टूनार्मेंट क्लब प्रयागराज में आयोजित कबूतरबाजी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने किया दमदार प्रदर्शन

प्रयागराज। जय पहलवान वीर बाबा कबूतर टूनार्मेंट क्लब प्रयागराज में आयोजित कबूतरबाजी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। इस मौके पर कई सम्मानित खेलप्रेमी उपस्थित रहे, जिनमें मोहम्मद कासिम भी शामिल थे, जिन्होंने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया।

प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे :

- प्रथम पुरस्कार -राकेश यादव (बगाड़ा, प्रयागराज)
- द्वितीय पुरस्कार -मुन्ना (कटरा)
- तृतीय पुरस्कार -बिंदोस
- चौथा पुरस्कार -कादिर हलवाई के पोते मोहम्मद तैयब कादरी

मोहम्मद तैयब कादरी न सिर्फ कबूतरबाजी में कुशल माने जाते हैं, बल्कि पतंगबाजी में भी उनका नाम अलग पहचान रखता है। लखनऊ सहित कई जनपदों में आयोजित पतंगबाजी प्रतियोगिताओं में वे अपनी महारत दिखाकर कई बार सम्मान हासिल कर चुके हैं। पतंग उड़ाने की तकनीक, दिशा नियंत्रण और मुकाबले की रणनीति में उनका अनुभव उन्हें भीड़ से अलग करता है। इसी क्रम में मोहम्मद कासिम ने सभी प्रतियोगिता में भाग लिए हुए खिलाड़ियों को बधाई दी

इस टूनार्मेंट में मोहम्मद तैयब के उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ-साथ उनकी मौजूदगी ने युवा खिलाड़ियों को प्रेरित किया। आयोजन समिति ने सभी

विजेताओं और प्रतिभागियों को बधाई दी तथा पारंपरिक खेलों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

सिटी इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित हुआ पैरेंट्स ईवनिंग

डॉ. प्रज्ञान डंगवाल का प्रेरणादायक संबोधन

लखनऊ : सिटी इंटरनेशनल स्कूल, बालागंज, लखनऊ में पैरेंट्स ईवनिंग सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. प्रज्ञान डंगवाल, एसोसिएट प्रोफेसर एवं डायरेक्टर , सी०यू०सी०डब्लू०एफ० , चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। डॉ. प्रज्ञान डंगवाल ने अभिभावकों को बहुत ही प्रेरणादायक और उत्साहवर्धक भाषण दिया। उन्होंने बताया कि बच्चों से कैसा व्यवहार करना चाहिए, उन्हें कैसे प्रेरित करना चाहिए और कैसे हम उनके व्यवहार को सकारात्मक दिशा में बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि 'हर बच्चा अलग होता है, हमें बस उसकी क्षमता को पहचानकर उसे सही दिशा में बढ़ाना चाहिए।' अपने

भाषण में उन्होंने कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला, जैसे कि — 1.)बच्चों को हर समय आदेश देने के बजाय उनसे संवाद करें। 2.)गलतियों पर डांटने की बजाय उन्हें समझाने का प्रयास करें। 3.)बच्चों की तुलना किसी और से न करें, बल्कि उनकी अपनी विशेषता को पहचानें। 4.)बच्चों को प्रेरित करने के लिए छोटे-छोटे सराहनीय शब्दों का प्रयोग करें। कार्यक्रम में एक प्रश्नोत्तर सत्र भी हुआ, जिसमें अभिभावकों ने कई सवाल पूछे। जैसे - 'आजकल बच्चे मोबाइल और स्क्रीन में ज्यादा समय बिताते हैं, इससे कैसे बचाया जाए ?' उन्होंने उत्तर दिया कि 'बच्चों के साथ समय बिताएं, उन्हें वैकल्पिक रुचियाँ दें, तभी वे तकनीक का सही उपयोग करना सीखेंगे।' अंत में स्कूल मैनेजर श्री शहाब हैदर ने डॉ. प्रज्ञान डंगवाल का आभार व्यक्त किया और कहा कि 'डॉ. डंगवाल का संदेश हर माता-पिता और बच्चे के लिए प्रेरणादायक है। बच्चों के व्यवहार को समझना और उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन देना ही असली पालन-पोषण है।' श्री शहाब हैदर ने अभिभावकों और बच्चों से यह भी कहा कि, 'माता-पिता बच्चों के पहले शिक्षक हैं। अगर घर में सकारात्मक माहौल रहेगा तो बच्चे जीवन में ऊँचाइयाँ जरूर छुएँगे।' कार्यक्रम बहुत सफल और प्रेरणादायक रहा। सभी अभिभावकों ने इसे एक सीखने और सोचने का सुंदर अवसर बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन अभिभावकों और शिक्षकों को बच्चों की बेहतर परवरिश में मदद करते हैं। यह पैरेंट्स ईवनिंग सत्र , सिटी इंटरनेशनल स्कूल की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि संस्कार, संवाद और संवेदना के माध्यम से बच्चों के उज्जवल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करती है।

समर्पण की आहूति, अधिवक्ता रजनीकान्त दुबे ने भरा बार काउंसिल यूपी सदस्य पद हेतु नामांकन

लखनऊ/प्रयागराज सुबह की पहली किरण के साथ ही प्रयागराज की पवित्र भूमि पर एक नया इतिहास लिखा गया। लखनऊ बार एसोसिएशन के पूर्व वरिष्ठ संयुक्त मंत्री, युवा चेहरा और संघर्षशील अधिवक्ता श्री रजनीकान्त दुबे ने बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के सदस्य पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। यह नामांकन केवल कागज भरने की औपचारिकता नहीं था, यह अधिवक्ता समाज के दर्द सम्मान और आकांक्षा की जीती-जागती तस्वीर था। जब रजनीकान्त दुबे नामांकन कक्ष में पहुँचे तो उनके साथ लखनऊ से प्रयागराज तक सैकड़ों अधिवक्ताओं का कारवाँ था। वकीलों की गाड़ियाँ, नारे, तख्तियाँ और आँखों में चमक मानो पूरा अधिवक्ता समाज एक साथ साँस ले रहा हो।

श्री दुबे के नामांकन में स्नेह और विश्वास की त्रिवेणी प्रवाहित हुई। उन्हें प्रस्तावक के रूप में प्रतिष्ठित समर्थन प्राप्त हुआ, लखनऊ बार एसोसिएशन की संयुक्त मंत्री आदरणीय श्रेया श्रीवास्तव, ए.एफ.टी बार एसोसिएशन, लखनऊ के पूर्व महामंत्री अरूण साहू, और युवा अधिवक्ताओं के जनाधारित नेता शुभम द्विवेदी ने उनके जनहितैषी मिशन पर मुहर लगाई।

नामांकन के उपरांत, श्री दुबे ने ओजस्वी शब्दों में अपनी प्राथमिकताओं को पुनः परिभाषित किया। उन्होंने मौजूदा परिषद की

असंवेदनशीलता पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए अधिवक्ताओं की मर्माहत समस्याओं को सर्वप्रथम हल करने का आश्वासन दिया। उनके क्रांतिकारी संकल्प निम्नलिखित हैं।

दिवंगत अधिवक्ताओं के आश्रितों को मिलने वाली सहायता राशि अब मात्र दस दिन के भीतर, पूर्ण पारदर्शिता के साथ, समान रूप से प्राप्त होगी। नारी शक्ति का उत्थान, महिला अधिवक्ताओं के लिए बार काउंसिल सहित सभी बार एसोसिएशन चुनावों में 33% आरक्षण की ऐतिहासिक पहल, जिससे उनकी राजनीतिक भागीदारी का मार्ग प्रशस्त होगा।

सम्मान का आसन, प्रत्येक अधिवक्ता को बैठने हेतु अपना चैम्बर सुनिश्चित करना और उनके सम्मान को ठेस पहुँचाने वाले टोल टैक्स से मुक्ति। नैतिक दायित्व, उन्होंने एक अद्वितीय प्रतिज्ञा लेते हुए कहा कि यदि वह अपने कर्तव्य पथ से विमुख होते हैं या अधिवक्ताओं के सम्मान में खड़े नहीं हो पाते, तो वह बिना विलंब अपने पद से त्यागपत्र दे देंगे।

इस महत्वपूर्ण क्षण में लखनऊ और प्रयागराज के अधिवक्ताओं का एक विशाल कारवां उनकी शक्ति बना। वरिष्ठ अधिवक्ता श्रेया श्रीवास्तव, अरूण साहू, राजेश तिवारी, शुभम द्विवेदी, और लखनऊ बार एसोसिएशन के महामंत्री पद के प्रत्याशी आदर्श मिश्रा सभासद पति, गीतापल्ली वार्ड सहित अनेक गणमान्य अधिवक्ताओं ने प्रयागराज तक जाकर उनका मनोबल संवर्धित किया।

श्री दुबे ने अपने सभी समर्थकों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके लहू का एक कतरा नामांकन में सहयोग करने वाले हर अधिवक्ता का कर्जदार है। यह नामांकन केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं बल्कि परिवर्तन की प्रबल इच्छाशक्ति का अथक उद्घोष है।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने पृथ्वी प्रणाली विज्ञान परिषद (ईएसएससी) की पहली आम सभा की बैठक की अध्यक्षता, परिषद के अध्यक्ष के रूप में की

- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पाँच संस्थानों को पाँच अलग-अलग समितियों का विलय करके एक ही परिषद के तहत लाया गया
- डॉ. सिंह ने कहा कि अब सबसे अलग रहकर काम करने का वक्त नहीं है, यह पहल 'समग्र सरकार' के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अक्सर दोहराते रहे हैं
- डॉ. जितेंद्र सिंह ने एकीकृत शासन और मजबूत जनसम्पर्क का आ'ान किया

ईएसएससी द्वारा संसदीय प्रस्तुतियों को सुव्यवस्थित करने की समीक्षा के साथ एकल वार्षिक रिपोर्ट की दिशा में आगे बढ़ने पर अध्ययन चल रहा है

(जीएनएस)।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पाँच संस्थानों को पाँच अलग-अलग समितियों का विलय करके "पृथ्वी प्रणाली विज्ञान परिषद" (ईएसएससी) नामक एक संस्था बना दी गई है। इस कदम पर संतोष जताते हुए, केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि अलग-अलग काम करने के दिन अब नहीं रहे हैं। यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अक्सर दोहराए जाने वाले 'संपूर्ण सरकार' दृष्टिकोण की भावना के अनुरूप है।

पृथ्वी प्रणाली विज्ञान परिषद (ईएसएससी) की पहली आम सभा की बैठक, जिसकी अध्यक्षता परिषद के अध्यक्ष के रूप में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने की, भारत के पृथ्वी विज्ञान संस्थानों में शासन को सुव्यवस्थित करने और उनकी सार्वजनिक पहचान को मजबूत करने पर केंद्रित रही। बैठक के दौरान, वरिष्ठ अधिकारियों ने ईएसएससी के तहत पाँच अलग-अलग संस्थानों और पाँच स्वायत्त निकायों को एक समन्वित ढाँचे में बदलने पर चर्चा की। इस कदम का मकसद दक्षता में सुधार, प्रशासनिक दोहराव को कम करना और पृथ्वी प्रणाली विज्ञान पहलों की

दृश्यता को बढ़ाना है।

अधिकारियों ने डॉ. सिंह को जारी एकीकरण प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी और बताया कि पाँच स्वायत्त संस्थान, जो पहले अलग-अलग शासी निकायों, वित्त समितियों और सलाहकार समूहों के साथ काम करते थे, अब एक एकीकृत शासन तंत्र के जरिए काम करेंगे। इस एकीकरण को कैबिनेट द्वारा पहले ही मंजूरी मिल चुकी है और दिसंबर 2023 में ईएसएससी के पंजीकरण के साथ इसे औपचारिक रूप दिया जा चुका है। इसका मकसद सरकार के "न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन" के व्यापक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है। हालाँकि, हर संस्थान की अपनी पहचान बरकरार रहेगी और वह अपने स्थापित अधिदेश के अंतर्गत कार्य करता रहेगा।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने नए ढांचे में, खासकर समितियों, पदनामों और संगठनात्मक चार्टों को पेश करने के तरीके में, एकरूपता और स्पष्टता की जरुरत पर जोर दिया। उन्होंने सलाह दी कि आधिकारिक दस्तावेजों में ईएसएससी को प्रमुखता से दर्शाया जाना चाहिए, ताकि परिषद की पहचान को मजबूत किया जा सके और सभी संस्थानों में एकरूपता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने समिति के सदस्यों को सूचीबद्ध करते समय, खासकर उन पदों के लिए जो बार-बार बदल सकते हैं, व्यक्तिगत नामों के बजाय कार्यात्मक पदनामों के उपयोग पर भी जोर दिया।

चर्चा का एक अहम हिस्सा जनसंचार को बेहतर बनाने पर भी केंद्रित था। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि कई संस्थानों में खास क्षमताएँ हैं, चाहे वे समुद्री विज्ञान हों, क्रिप्टोस्फेयर रिसर्च या वायुमंडलीय प्रणालियाँ, लेकिन उनकी पहचान अक्सर जनता तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुँच पाती। अन्य वैज्ञानिक संस्थाओं के उदाहरणों का हवाला देते हुए, उन्होंने विषय-आधारित आउटरीच अभियानों का सुझाव दिया, जो विशिष्ट उपलब्धियों को उजागर करें और व्यक्तिगत संस्थानों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपस्थिति मजबूत करने में मदद करें। उन्होंने बताया कि स्पष्ट विषयगत स्थिति, वैज्ञानिक कार्यों की प्रासंगिकता बढ़ा सकती है और व्यापक मान्यता प्राप्त कर सकती है।

अधिकारियों ने इस दौरान संसदीय रिपोर्टिंग से जुड़े मुद्दे भी उठाए। हालाँकि ईएसएससी वर्तमान में विभिन्न संस्थानों के लिए कई रिपोर्ट प्रस्तुत करता है, लिहाजा सदस्यों ने सुव्यवस्थित करने की संभावना पर भी चर्चा की। डॉ. सिंह ने सुझाव दिया कि संसदीय अधिकारियों के परामर्श से इस प्रस्ताव पर आगे विचार किया जा सकता है।

बैठक में 2023-24 की वार्षिक रिपोर्टों की भी समीक्षा की गई और प्रमुख उपलब्धियों की ओर ध्यान आकर्षित करने वाले संक्षिप्त, सरल सारांशों की जरुरतों पर चर्चा की गई। डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि निदेशकों की रिपोर्टें केंद्रित और पढ़ने में आसान होनी चाहिए, ताकि जरुरी बातें साफ तौर पर सामने आ सकें।

सत्र का समापन एकीकृत शासन मॉडल को और बेहतर बनाने और अगली अंतर-संस्थागत समीक्षा बैठक के दौरान आगे की चर्चा करने पर सहमति के साथ हुआ। जैसे-जैसे भारत डीप ओशन मिशन और ब्लू इकोनॉमी पहल सहित प्रमुख राष्ट्रीय मिशनों को आगे बढ़ा रहा है, ईएसएससी द्वारा सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली से पर्यावरण निगरानी, जलवायु क्षेत्र में अहम बदलाव और सतत विकास के लिए जरुरी वैज्ञानिक अनुसंधान के समन्वय में केंद्रीय भूमिका निभाने की उम्मीद है।

भारत ने डब्ल्यूटीडीसी-25 में विश्व के सबसे बड़े डिजिटल समावेशन अभियान को प्रदर्शित किया; केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ चंद्र शेखर ने वैश्विक डिजिटल एकजुटता के लिए आ'ान किया

भारत ने त्वरित दूरसंचार परिवर्तन को रेखांकित किया; साइबर सुरक्षा के भविष्य के लिए सहयोग का आग्रह किया

भारत ने बाकू सम्मेलन में संवहनीय और समावेशी डिजिटल विकास के लिए प्रतिबद्धता दोहराई

(जीएनएस)।

केंद्रीय संचार और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री डॉ पेम्मासानी चंद्र शेखर ने आज बाकू में विश्व दूरसंचार विकास सम्मेलन (डब्ल्यूटीडीसी-25) के उच्चस्तरीय समूह को संबोधित करते हुए संवहनीय, सुरक्षित और समावेशी वैश्विक डिजिटल भविष्य के लिए भारत के दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया।

उन्होंने भारत के मार्गदर्शक सिद्धांत 'वसुधैव कुटुम्बकम-विश्व एक परिवार है" को पुष्ट किया और 1869 से आईटीयू के साथ भारत की गहरी साझेदारी पर प्रकाश डाला।

मंत्री महोदय ने इस बात पर जोर दिया कि साइबर सुरक्षा एक साझा वैश्विक ज़िम्मेदारी है और उन्होंने अन्य देशों से मजबूत और सीमा-पार साइबर सुरक्षा तंत्र के लिए सहयोग करने का आग्रह किया।

भारत के अभूतपूर्व डिजिटल परिवर्तन का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के सबसे अधिक कनेक्ट्रेड समाजों में से एक के रूप में उभरा है जिसने 1.2 अरब दूरसंचार ग्राहकों, 1 अरब इंटरनेट उपयोगकताओं और 1.4 अरब डिजिटल पहचानों को सशक्त बनाया

है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत ने 4.8 अरब डॉलर के व्यय से 4जी के दूरदराज के इलाकों तक विस्तार और दुनिया में सबसे तेजी से 5जी की शुरूआत के साथ 99 प्रतिशत जिलों तक पहुंच बनाते हुए एक नया वैश्विक मानक स्थापित किया है।

उन्होंने कहा, "दुनिया में सबसे कम डेटा शुल्क, सबसे ज्यादा डेटा खपत और 46% वैश्विक डिजिटल लेनदेन को सक्षम बनाने वाले डिजिटल बुनियादी ढाँचे के साथ, भारत ने साबित कर दिया है कि पहुँच, सामर्थ्य और पैमाने को एक साथ आगे बढ़ाया जा सकता।"

साइबर सुरक्षा पर, मंत्री महोदय ने भारत की नागरिक-केंद्रित सुरक्षा प्रणालियों, जैसे संचार साथी और वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम संकेतक का उल्लेख किया, जिन्होंने सामूहिक रूप से 3 करोड़ धोखाधड़ी वाले मोबाइल कनेक्शन ब्लॉक किए हैं और 66 लाख वित्तीय धोखाधड़ी के प्रयासों को रोका है। उन्होंने कहा, "साइबर सुरक्षा अब एक राष्ट्रीय चिंता का विषय नहीं, बल्कि एक वैश्विक अनिवार्यता है और भारत हर डिजिटल उपयोगकर्ता की सुरक्षा के लिए विश्वसनीय, सहयोगात्मक परिवेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।"

वैश्विक डिजिटल एकता का आ'ान करते हुए, डॉ. चंद्रशेखर ने सभी आईटीयू सदस्य देशों के साथ घनिष्ठ साझेदारी के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, "जिस प्रकार नदियाँ एक साथ बहने पर और भी शक्तिशाली हो जाती हैं, उसी प्रकार भारत वैश्विक समुदाय के साथ मिलकर एक ऐसा डिजिटल परिवेश बनाने के लिए तत्पर है जो लोगों को सशक्त बनाए, हमारे ग्रह की रक्षा करे और यह सुनिश्चित करे कि कोई भी देश पीछे न छूटे।"

डब्ल्यूटीडीसी 25 के बारे में

विश्व दूरसंचार विकास सम्मेलन (डब्ल्यूटीडीसी) का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ के विकास क्षेत्र (आईटीयू-डी) द्वारा दूरसंचार और डिजिटल कनेक्टिविटी के विस्तार और सुधार के उद्देश्य से वैश्विक प्राथमिकताएँ निर्धारित करने के लिए किया जाता है। डब्ल्यूटीडीसी में, सरकारें, उद्योग जगत के नेता और विशेषज्ञ ऐसी रणनीतियों, नीतियों और कार्यक्रमों पर सहमति बनाने के लिए एक साथ आते हैं जो देशों, विशेष रूप से विकासशील देशों को अपने आईसीटी बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, डिजिटल खाई को पाटने और समावेशी डिजिटल विकास को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। बाकू में शुरू हुआ डब्ल्यूटीडीसी-25, सार्वभौमिक, सार्थक और किफायती कनेक्टिविटी हासिल करने पर केंद्रित वैश्विक विकास कार्यों के अगले दौर को आकार देगा।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव आईआईएसएफ 2025 की तैयारियों की समीक्षा की

परिचालन संबंधी कमियों को दूर करने और वैज्ञानिक पहुँच को राष्ट्रीय मानकों तक बढ़ाने पर जोर

आगामी आईआईएसएफ 2025, आत्मनिर्भर भारत के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करने के लिए मंत्रालयों, शिक्षाविदों, उद्योग और छात्र नवप्रवर्तकों को एक साथ लाएगा

आईआईएसएफ 2025, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की परिवर्तनकारी वैज्ञानिक यात्रा को प्रदर्शित करेगा: डॉ. जितेंद्र सिंह ने पृथ्वी भवन में उच्च-स्तरीय समीक्षा के दौरान कहा

आईआईएसएफ 2025, डीप-टेक, जैव प्रौद्योगिकी, क्वांटम अनुसंधान और सतत ऊर्जा में हुई उपलब्धियों को उजागर करने के लिए आयोजित किया गया है: केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह

(जीएनएस)।

भारत एक ऐसे युग में प्रवेश कर रहा है जहाँ अनुसंधान और नवाचार शासन और विकास को गति प्रदान करते हैं: डॉ. जितेंद्र सिंह ने आईआईएसएफ 2025 पर विस्तृत

समीक्षा बैठक में कहा

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), और प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री, डॉ. जितेंद्र सिंह ने 6-9 दिसंबर 2025 तक आयोजित होने वाले भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) 2025 की व्यवस्थाओं की प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए आज पृथ्वी भवन में एक गहन समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

उन्होंने ने कहा कि आज की चर्चा 2 नवंबर 2025 को हुई समीक्षा का स्वाभाविक परिणाम है, जिसका उद्देश्य सभी परिचालन संबंधी कमियों को दूर करना और यह सुनिश्चित करना है कि आयोजन का पैमाना, वैज्ञानिक गहराई और जन-जन तक पहुँच उच्चतम राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि आईआईएसएफ 2025 पिछले एक दशक में भारत में आए उल्लेखनीय बदलाव को प्रतिबिंबित करेगा, जहाँ वैज्ञानिक सोच अब केवल प्रयोगशालाओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में नीति, शासन और विकास रणनीतियों को दिशा दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश एक ऐसे युग में प्रवेश कर चुका है जहाँ अनुसंधान और नवाचार राष्ट्रीय विकास की दिशा निर्धारित करते हैं।

मंत्री ने कहा कि वैज्ञानिक पारिस्थितिकी तंत्र में सरकार की भूमिका पर्यवेक्षी से बढ़कर सुविधाप्रदाता की हो गई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत में अब एक ऐसा उपजाऊ वातावरण मौजूद है जहाँ युवा शोधकर्ता, स्टार्टअप, उद्योग जगत के नेता और वैज्ञानिक संस्थान सामूहिक रूप से डीप-टेक विनिर्माण, अगली पीढ़ी की जैव प्रौद्योगिकी, क्वांटम अनुसंधान और सतत ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में नई उपलब्धियाँ हासिल कर रहे हैं। आगामी महोत्सव पर चर्चा करते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आईआईएसएफ 2025 को विभिन्न वैज्ञानिक क्षेत्रों में भारत की बढ़ती क्षमताओं को प्रदर्शित करने के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव मंत्रालयों, विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं, निजी नवप्रवर्तकों और छात्र समुदायों के एक जीवंत संगम के रूप में कार्य करेगा, जो आत्मनिर्भर भारत की भावना और वैश्विक विज्ञान महाशक्ति बनने की भारत की महत्वाकांक्षा को प्रतिबिंबित करेगा। उन्होंने आगे कहा कि आईआईएसएफ के इस संस्करण का उद्देश्य यह प्रदर्शित करके अगली पीढ़ी को प्रेरित करना है कि कैसे विज्ञान वास्तविक दुनिया के समाधानों को प्रभावित कर रहा है, जिसमें नागरिकों को सशक्त बनाने वाले डिजिटल नवाचारों से लेकर ग्रह के भविष्य को सुरक्षित करने वाली जलवायु प्रौद्योगिकियाँ शामिल हैं।

डॉ. जितेंद्र सिंह के अनुसार, यह आयोजन अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करेगा।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव डॉ. एम. रविचंद्रन ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा में भाग लिया और मंत्री को महोत्सव के विषयगत खंडों में हुई प्रगति से अवगत कराया।

श्री जीतन राम मांझी ने आज 44वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में एमएसएमई, केवीआईसी, कॉयर और एनएसएसएच मंडपों का किया उद्घाटन

- **केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री जीतन राम मांझी ने आज 44वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में एमएसएमई, केवीआईसी, कॉयर और एनएसएसएच मंडपों का उद्घाटन किया**
- **सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के 292 स्टॉल; 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के विश्वकमाओं ने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना का प्रदर्शन किया**

(जीएनएस)।

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री श्री जीतन राम मांझी ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 44वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) के हॉल संख्या 6 में एमएसएमई, केवीआईसी और कॉयर मंडपों तथा हॉल संख्या 5 में एनएसएसएच मंडप का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में एमएसएमई और श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे और खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर एमएसएमई मंत्रालय, विकास आयुक्त कार्यालय (एमएसएमई), खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी) और कॉयर बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री श्री जीतन राम मांझी और राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे ने

उद्घाटन के बाद मंडपों के स्टालों का दौरा किया और विभिन्न पारंपरिक विनिर्माण प्रक्रियाओं का लाइव प्रस्तुतिकरण देखा तथा प्रतिभागियों और प्रदर्शकों का उत्साहवर्धन किया।

मंडपों की मुख्य विशेषताएँ

'वाइब्रेंट एमएसएमई, विकसित भारत' विषय पर आधारित एमएसएमई मंडप, समावेशी विकास को गति देने तथा आत्मनिर्भर भारत के विजन में योगदान देने में एमएसएमई की भूमिका को रेखांकित करता है।

29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) के साथ-साथ विश्वकमाओं को कुल 292 स्टॉल आवंटित किए गए हैं, जो एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को प्रदर्शित करते हैं:

- 67% से अधिक स्टॉल महिला उद्यमियों को आवंटित किए गए हैं
- 34% से अधिक स्टॉल अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों को आवंटित किए गए हैं
- 15 स्टॉल दिव्यांग उद्यमियों को आवंटित किए गए हैं
- 43 स्टॉल भौगोलिक संकेत (जीआई) उत्पादों को प्रदर्शित करते हैं
- 15 स्टॉल ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) वस्तुओं को समर्पित हैं
- 288 (98%) पहली बार भाग लेने वाले प्रतिभागी और सूक्ष्म उद्यमों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रदर्शक
- 25% से अधिक स्टॉल विश्वकर्मा को आवंटित किए गए हैं ।

प्रदर्शित किए गए उत्पादों के विभिन्न खंडों में वस्त्र, हथकरघा, हस्तशिल्प, हरित और पर्यावरण अनुकूल उत्पाद, विश्वकर्मा द्वारा निर्मित उत्पाद, कांच और चीनी मिट्टी की वस्तुएं, चमड़े के सामान, सौंदर्य उत्पाद, धातु शिल्प, खेल और खिलौने, सूखे मेवे, खाद्य उत्पाद, कॉयर उत्पाद और देश भर से कई अन्य अनूठी प्रस्तुतियाँ शामिल हैं।

कॉयर बोर्ड के मंडप में देश के विभिन्न भागों से 31 प्रदर्शकों ने भाग लिया, जो विभिन्न प्रकार के अद्वितीय हस्तशिल्प और हस्तनिर्मित खिलौने, आभूषण आदि बनाने में कॉयर श्रमिकों के कौशल और शिल्प कौशल को दर्शाते हैं।

मंडप में प्रदर्शित की गई रेंज में पारंपरिक कॉयर उत्पाद जैसे कि हैंडलूम कॉयर मैट, मैटिंग, रबराइज्ड गद्दे, हस्तशिल्प कॉयर उत्पाद, कालीन, कॉयर पिथ, कॉयर जियो-टेक्सटाइल्स आदि भी शामिल हैं। यह मेला कॉयर क्षेत्र से संबद्ध उद्यमियों को संभावित ग्राहकों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने, बी2बी और बी2सी सहयोग को बढ़ावा देने तथा विकास और आत्मनिर्भरता के लिए नई संभावनाओं के सृजन के अवसर प्रदान करता है।

'विकसित भारत @ 2047' थीम पर आधारित खादी इंडिया मंडप में विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 150 प्रदर्शक शामिल हैं, जो खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं। इनमें 63 खादी संस्थान, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के अंतर्गत सहायता प्राप्त 81 इकाइयाँ और पारंपरिक उद्योगों के पुनरुद्धार हेतु निधि योजना (स्फूर्ति) के अंतर्गत 6 इकाइयाँ शामिल हैं। खादी इंडिया मंडप में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के 101 प्रतिनिधि और 47 महिला उद्यमी शामिल हैं, जो अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना का प्रदर्शन कर रहे हैं।

देश के दक्षिणी राज्यों की रेशमी साड़ियां, पश्चिम बंगाल की मलमल, बिहार के मधुबनी उत्पाद, पंजाब की फुलकारी, आंध्र प्रदेश की कलमकारी, उत्तराखंड के हर्बल और कॉस्मेटिक उत्पाद तथा जम्मू-कश्मीर और लेह के ऊनी उत्पाद सहित उच्च गुणवत्ता वाले खादी कपड़े मंडप में बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

हॉल संख्या 5 में स्थित राष्ट्रीय अनुसूचित जाति-जनजाति हब (एनएसएसएच) मंडप में 35 स्टॉलों पर अनुसूचित जाति-जनजाति उद्यमियों के उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं। मंडप में 10 राज्यों, अर्थात उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली, असम, कर्नाटक, पंजाब, झारखंड, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और नागालैंड के प्रदर्शक शामिल हैं। मंडप में जूते, खेल के सामान, हस्तशिल्प, बांस के उत्पाद, खाद्य उत्पाद, मशीन के पुर्जे और चमड़े के सामान बिक्री के लिए प्रदर्शित किए गए हैं।

'साहित्य साधक अर्श' सम्मान से कवियत्री डॉ मृदुला शुक्ला 'मृदु' सम्मानित

साहित्य साधक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थान जिला इकाई लखीमपुर खीरी की नवंबर माह की मासिक काव्य गोष्ठी, सम्मान समारोह धूमधाम से संस्था की जिला अध्यक्षा डा स्वाति पाण्डेय "प्रीत" के निवास ७२, काशी नगर लखीमपुर खीरी में धूमधाम से सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम अध्यक्ष साहित्यकार संजीव मिश्र व्योम रहे। संस्था की जिला इकाई द्वारा प्रति माह दिया जाने वाला "साहित्य साधक अर्श सम्मान" इस माह नवम्बर में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ मृदुला शुक्ला "मृदु" को प्रदान किया गया। संस्था के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ० हिमांशु सक्सेना "अर्श लखनवी" जी ने डॉ० मृदुला शुक्ला "मृदु" को बधाई स्वरूप शब्द पुष्प भेजे। समारोह का कुशल संचालन विजय शुक्ल बादल ने किया। सभी मंचस्थ मनीषियों सहित डॉ० स्वाति पाण्डेय, "प्रीत" गौरव शुक्ला जी ने दीप प्रज्वलन किया। डॉ मृदुला के सुमधुर कंठ ने वाणी वंदना कर कार्यक्रम का आरंभ किया।

गोष्ठी में सम्मानित कवियत्री गीतकार गौरव शुक्ला ने "व्याध वध पर वध किए जाता निरंतर" पढा। श्याम किशोर बेचैन ने "शक की नजरों से यार मत देखो" पढ़ा। शायर जनार्दन पाण्डेय ने "अब की तेरी जुदाई ने समझा दिया मुझे" पढ़ वाह-वाही लूटी। विजय बादल ने " मुझे नीचा दिखा कर तुम भी इज्जत पा ना

पाओगे" मुक्तक पढा। संस्था के सचिव अनूप त्रिपाठी ने "शून्य हूं सूनापन अपनी तकदीर है" पढा। अभिषेक शाश्वत ने "मचलना सीख जाता है उछलना सीख जाता है " पढा। डॉ मृदुला शुक्ला ने कहा"जिंदगी है रागिनी गुनगुनाते जाइये हो अमां की यामिनी बस गुनगुनाते जाइये"। जिला अध्यक्ष डॉ स्वाति पांडेय "प्रीत" ने- "पनघट नीर भरे गोपियों संग राधा " घनाक्षरी और "प्रीत की रीत को अब निभाने तो आ" गीत पढ़ कर सबकी तालियां बटोरी। संजीव मिश्र व्योम ने "खुदा के नाम पर दुनिया समेटने वालों एक टुकड़ा जमीं का साथ न ले जाओगे" पढ 'सबको भावविभोर कर दिया। गोष्ठी मे उपस्थित २५ से अधिक कवियों ने गीत गजल छंद मुक्तक आदि पढ़ समां बांध दिया।

उक्त कार्यक्रम में श्रोता स्वरूप वेदप्रकाश वर्मा, अक्षरा पांडेय ,नरेश वर्मा, अमित पाण्डेय, मधु गुप्ता, कुशाग्र गुप्ता, आयुष पाण्डेय, दिव्या गुप्ता आदि उपस्थित रहे। संस्था की ओर से अनूप त्रिपाठी ने धन्यवाद ज्ञापन कर सबका आभार व्यक्त किया।

डॉ स्वाति पांडेय "प्रीत

जिला अध्यक्षा लखीमपुर खीरी एवं राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी लखनऊ

अत्यंत गरिमामय और साहित्यिक सौंदर्य से परिपूर्ण रही मंज़िल अल सफा, बिजनेस बे दुबई में आयोजित काव्य गोष्ठी

शानदार आयोजन

मंज़िल अल सफा, बिजनेस बे दुबई में आयोजित काव्य गोष्ठी स्वागत समारोह अत्यंत गरिमामय और साहित्यिक सौंदर्य से परिपूर्ण रहा। देश-विदेश से पधारे रचनाकारों का हार्दिक अभिनंदन किया गया। सुमधुर काव्यपाठ के बीच मिलनसार वातावरण ने सभी के हृदय जीत लिए। बात चीत और काफी समय के बाद एक दूसरे के साथ मिलना मिलना मनोरंजक रहा।

सिंगापुर से आयी विशिष्ट साहित्यकार अनसूया साहू जी से मिलने के उपलक्ष में यह आयोजन रखा गया थी जिसमे सभी ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। रात्रि भोज की भव्य

व्यवस्था ने इस शाम को अविस्मरणीय बना दिया, जहाँ स्वाद, संवाद और साहित्य—तीनों ने मिलकर उत्सव को पूर्णता प्रदान की।